

# डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 14, 1 सैमुअल 24-25

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 14, 1 सैमुअल 24-25 है। डेविड स्पेर्स शाऊल का जीवन, अध्याय 24, और डेविड बुद्धि की आवाज सुनता है, 1 सैमुअल अध्याय 25।

इस अगले पाठ में, हम 1 शमूएल अध्याय 24 को देखेंगे, जहाँ दाऊद ने शाऊल की जान बख्श दी, और 1 शमूएल अध्याय 25 भी, जहाँ, जैसा कि हम देखेंगे, दाऊद ज्ञान की आवाज़ सुनता है। आइए अध्याय 24 से आरंभ करें। शाऊल दाऊद का पीछा कर रहा है।

अध्याय 23 में, वह लगभग उसके पास था। वह दाऊद की खोज में था, दाऊद और उसके लोगों को पकड़ने के लिए तैयार था, और फिर एक दूत आया और उसने शाऊल को सूचित किया कि पलिशती भूमि पर आक्रमण कर रहे थे और तुम्हें दाऊद का पीछा छोड़कर वापस लौटने और इस्राएल के क्षेत्र की रक्षा करने की आवश्यकता है, और इसलिए शाऊल बाएं। यह हमें अध्याय 24, पद 1 पर लाता है। शाऊल पलिशतियों का पीछा करके लौटा, और उसने बताया कि दाऊद एन-गेदी के रेगिस्तान में है।

इसलिए, शाऊल एक बार फिर दाऊद के पीछे जाने के लिए तैयार था, और उसने पूरे इस्राएल से 3,000 योग्य जवानों को लिया, और वह दाऊद की तलाश में निकल पड़ा। और रास्ते में, शाऊल ने फैसला किया, जैसा कि हम सभी को कभी-कभी करने की ज़रूरत होती है, खुद को राहत देने के लिए। प्रकृति ने पुकारा, और शाऊल को उस पुकार का उत्तर देना था, और इसलिए इस समय उनके पास सार्वजनिक शौचालय नहीं था, इसलिए उसने श्लोक 3 के अनुसार, पास की एक गुफा में जाने का फैसला किया, और वह राहत पाने के लिए अंदर चला गया वह स्वयं।

अच्छा, देखो और अनुमान लगाओ कि गुफा में कौन है? दाऊद और उसके आदमी गुफा में बहुत पीछे थे। आप आश्चर्यचकित हो सकते हैं कि उन्हें कैसे पता चलेगा कि शाऊल अंदर आया था। मुझे लगता है कि उनके प्रवेश द्वार पर शायद कोई पहरा दे रहा था जिसने दूर से देखा कि शाऊल उनकी ओर जा रहा था।

हमें यह मानना होगा कि वे जानते थे कि यह शाऊल था जो गुफा में था क्योंकि वहां अंधेरा होगा। उन मनुष्यों ने दाऊद से कहा, यही वह दिन है जिसके विषय में यहोवा ने तुम से कहा था, और ये सटीक शब्द हमारे पास कहीं और नहीं हैं, परन्तु मैं सोचता हूँ कि हम मान सकते हैं कि वे मनुष्य सही हैं। प्रभु ने अतीत में किसी प्रसंग में दाऊद से यह बात अवश्य कही होगी।

मैं तेरे शत्रु को तेरे हाथ में सौंप दूंगा, कि तू जिस प्रकार चाहे उससे निपट सके। अब, मुझे लगता है कि डेविड के आदमी यह मान रहे हैं कि इसका मतलब है कि प्रभु आपके दुश्मन को आपके

हाथों में सौंप देगा ताकि आप उसे मार सकें, आप उससे छुटकारा पा सकें। वे शब्द, यदि सटीक रूप से उद्धृत किए गए हैं, उससे थोड़े अधिक अस्पष्ट हैं।

अपनी इच्छानुसार व्यवहार करना। यह आप पर निर्भर करता है। और डेविड, जैसा कि हम देखेंगे, निर्णय लेने जा रहा है कि शाऊल को मारना मेरे लिए सही नहीं है।

इसलिए, शत्रु को दाऊद के हाथों में सौंपना किसी भी अन्य चीज़ की तुलना में ईश्वर की ओर से अधिक परीक्षा हो सकती है। अपने कट्टर शत्रु से छुटकारा पाने के अवसर के बजाय ताकि आप राजा बन सकें, शायद यह यह देखने के लिए एक परीक्षा है कि क्या आप भगवान के अच्छे समय की प्रतीक्षा करने जा रहे हैं क्योंकि इसे अपने आप में लेना आपके लिए गलत होगा हाथ और उसे मार डालो. इसलिए, दाऊद ने बिना ध्यान दिए चुपचाप ऊपर आ गया और शाऊल के बागे का एक कोना काट दिया।

इसलिए, शाऊल स्वयं को राहत दे रहा है। और डेविड अचानक आ जाता है, और आप इसे पहली बार पढ़ रहे हैं, आप सोच रहे हैं, किसी का ध्यान नहीं गया और अचानक आ गया, वह क्या करने जा रहा है? परन्तु नहीं, उसने बस शाऊल के वस्त्र का एक कोना काट दिया। और हम यहां एक क्षण में देखेंगे कि उसने ऐसा क्यों किया।

इसके बाद, और यह भविष्य के समय में आगे बढ़ने जैसा हो सकता है, यह अधिक कोष्ठक प्रकार का है। बाद में, डेविड को अपने लबादे का एक कोना काटने के कारण दुःख हुआ। हो सकता है कि उसे तुरंत इसका अहसास हो गया हो।

किसी भी कीमत पर, उसने अपने आदमियों से कहा, हमें यह मानना होगा कि वह अपने आदमियों के पास वापस चला गया है, और मुझे लगता है कि हम यह भी मान रहे हैं कि वे वास्तव में फुसफुसा रहे हैं क्योंकि ध्वनि कभी-कभी गुफाओं में गूंजती है। इसलिये प्रभु न करे कि मैं अपने स्वामी अर्थात् प्रभु के अभिषिक्त के साथ ऐसा कुछ करूं या उस पर हाथ उठाऊं, क्योंकि वह प्रभु का अभिषिक्त है। इसलिए, मुझे लगता है कि उसके आदमी सुझाव दे रहे हैं कि उसे शाऊल को मार देना चाहिए।

यहोवा ने उसे तुम्हारे हाथ में कर दिया है, और दाऊद कहता है, नहीं, प्रभु न करे कि मैं अपने स्वामी से ऐसा कुछ करूं। और शब्द उससे भी अधिक अस्पष्ट थे। इसलिए, डेविड इस पर विचार नहीं कर रहा है।

कभी-कभी लोग भगवान द्वारा कही गई किसी बात को ले सकते हैं और उसे इस तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश कर सकते हैं और आपको यह विचार दे सकते हैं कि भगवान ने जो कहा है, उसके आलोक में आपको ऐसा करना चाहिए। यह हमेशा सच नहीं होता. कभी-कभी यह समझने के लिए कुछ विवेक की आवश्यकता होती है कि एक निश्चित स्थिति में भगवान के शब्द का मेरे लिए क्या मतलब है।

और डेविड ने फैसला किया, नहीं, एक बात मैं जानता हूं, वह भगवान का अभिषिक्त है, और मेरे लिए उस पर हमला करना और उसे मारना गलत होगा। इन शब्दों के साथ, दाऊद ने अपने लोगों

को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें शाऊल पर हमला करने की अनुमति नहीं दी। और शाऊल गुफा से निकलकर अपनी राह चला गया।

लेकिन डेविड यहीं खत्म नहीं हुए. उसके पास एक रणनीति है. उसने शाऊल को नहीं मारा, परन्तु वह शाऊल का सामना करने जा रहा है।

तब दाऊद गुफा से बाहर निकला और शाऊल को पुकारा, हे मेरे प्रभु, हे राजा। और जब शाऊल ने पीछे दृष्टि की, तब दाऊद ने सिर झुकाकर भूमि पर मुंह के बल गिरकर दण्डवत् किया। डेविडिक माफीनामे में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंश है जिसके बारे में हमने पहले पाठों में बात की है।

जैसे ही हम इस अनुच्छेद को पढ़ते हैं, बस अपने आप से पूछें, डेविड शाऊल के प्रति वफादारी कैसे दिखा रहा है? शाऊल के प्रति दाऊद का रवैया क्या था? और फिर शाऊल कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है? यदि हम डेविड को निर्दोष मानकर उसका बचाव करना चाहते हैं और यह साबित करना चाहते हैं कि शाऊल दोषी है, तो साक्ष्य के मामले में यह अध्याय प्रदर्शन ए है। तब दाऊद ने उसे दण्डवत् किया, और भूमि पर मुंह करके दण्डवत् किया। डेविड स्पष्ट है.

शाऊल राजा है, और दाऊद उसे वह सम्मान दिखा रहा है जिसका वह हकदार है। और उस ने शाऊल से कहा, जब लोग कहते हैं, कि दाऊद तेरी हानि करना चाहता है, तब तू क्यों सुनता है? आज तू ने अपनी आंखों से देखा, कि यहोवा ने गुफा में तुझे मेरे हाथ में किस प्रकार सौंप दिया। कुछ लोगों ने मुझ से आग्रह किया कि मैं तुम्हें मार डालूं, परन्तु मैं ने तुम्हें बचा लिया।

मैंने कहा कि मैं अपने प्रभु पर हाथ नहीं रखूंगा क्योंकि वह प्रभु का अभिषिक्त है। मेरे पिता को देखो, तब भी जब वह उन्हें पिता कहते हैं। मुझे लगता है कि यह मेरे ससुर से कहीं बढ़कर है।

मुझे लगता है कि यहां पिता का उपयोग किया जा रहा है, जैसा कि कभी-कभी पुराने नियम में होता है, किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जिसके पास अधिकार है और जो रक्षक है। दाऊद के प्रभु के रूप में, शाऊल वास्तव में अपने वफादार सेवकों में से एक के रूप में उसकी रक्षा करने के लिए बाध्य है, और वह ऐसा नहीं कर रहा है। मेरे पिता को देखो, अपने बागे के इस टुकड़े को मेरे हाथ में देखो।

मैंने तेरे बागे का कोना काट दिया, परन्तु तुझे मारा नहीं। देखिये कि मेरे हाथ में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह पता चले कि मैं गलत काम या विद्रोह का दोषी हूं। मैंने तुम्हारे साथ कोई अन्याय नहीं किया है, परन्तु तुम मेरी जान लेने के लिये मेरा शिकार कर रहे हो।

तो, डेविड का तर्क बिल्कुल स्पष्ट है। मैंने तुम्हारे बागे का यह भाग काट दिया। मैं स्पष्टतः तुम्हें मार सकता था।

प्रभु ने मुझे वह अवसर दिया। कुछ लोग मुझसे ऐसा करने का आग्रह भी कर रहे थे, लेकिन मैंने ऐसा करने से इनकार कर दिया क्योंकि आप प्रभु के अभिषिक्त हैं। ऐसा करना मेरे लिए ग़लत होगा.

इसलिए, वह मूल रूप से शाऊल से अपील करते हुए कह रहा है, मैं निर्दोष हूँ। यदि मैं सचमुच तुम्हें मारना चाहता तो अभी ही मार देता। मेरे पास एक सुनहरा अवसर था और मैंने इसे लेने से इनकार कर दिया।

और फिर वह श्लोक 12 में प्रभु से प्रार्थना करता है। प्रभु तुम्हारे और मेरे बीच न्याय करें, और जो अन्याय तुमने मेरे साथ किया है, उसका बदला प्रभु लें, परन्तु मेरा हाथ तुम्हें न छुए। दूसरे शब्दों में, मैं हमारे बीच न्यायाधीश के रूप में भगवान से अपील कर रहा हूँ, और आपने मेरे साथ जो किया है उसके लिए मैं भगवान से पुष्टि और न्याय मांग रहा हूँ, लेकिन मैं इसे अपने हाथों में नहीं लेने जा रहा हूँ। .

यह उस पर निर्भर है। जैसा कि पुरानी कहावत है, बुरे काम करने वालों से बुरे काम निकलते हैं। तो मेरा हाथ तुम्हें नहीं छुएगा।

तुम्हें मारना मेरे लिए बुरा होगा, और मैं कोई दुष्ट नहीं हूँ। और इसलिए केवल एक दुष्ट व्यक्ति ही ऐसा करेगा। मैं यह नहीं करने जा रहा हूँ।

इस्राएल का राजा किसके विरुद्ध निकला है? और अब डेविड अपने बारे में बहुत ही नकारात्मक ढंग से बोलता है। आप किसका पीछा कर रहे हैं? एक मरा हुआ कुत्ता? फिलिया? मैं कुछ नहीं हूँ। आपको मुझसे इतना लगाव क्यों है? आप राजा हैं।

प्रभु हमारे न्यायाधीश बनें और हमारे बीच फैसला करें। क्या वह मेरे मुद्दे पर विचार कर सकते हैं और इसे कायम रख सकते हैं। वह मुझे तेरे हाथ से बचाकर मेरा दोष सिद्ध करे।

और मुझे लगता है कि डेविड हमारे लिए एक जबरदस्त उदाहरण है क्योंकि यह एक ऐसा विषय है जो पूरे धर्मग्रंथ तक जाता है। आप अपने लिए प्रतिशोध नहीं चाहते। तुम उसे प्रभु के हाथों में सौंप दो क्योंकि प्रभु ही धर्मी न्यायाधीश है।

वह जानता है कि सबसे अच्छा क्या है। वह जानता है कि क्या सही है। वह जानता है कि क्या गलत है।

हमारे पास उस प्रकार का ज्ञान, वह सर्वज्ञता नहीं है जो उसके पास है। हम वैसे नहीं हैं जैसे वो हैं। वह हर स्थिति को पूरी तरह से देखता है, और वह जानता है कि न्याय क्या है।

और इसीलिए हमें अपने शत्रुओं से बदला नहीं लेना है। हमें प्रभु की ओर मुड़ना है और इसे प्रभु के हाथों में छोड़ देना है और इस विश्वास के साथ उनके अच्छे समय का इंतजार करना है कि उनका न्याय प्रबल होगा। और डेविड यही कर रहा है।

वह इसका एक शानदार उदाहरण है। यदि किसी को शाऊल पर आक्रमण करने का अधिकार था, तो वह दाऊद था। मेरा मतलब है, उसका जीवन दांव पर था, लेकिन वह यहां उस स्थान पर

आ गया है जहां उसने अपना जीवन भगवान को और अपना उचित कारण भगवान को सौंप दिया है।

और अच्छा होगा कि हम उनके उदाहरण का अनुसरण करें। जब डेविड ने यह कहना समाप्त कर लिया, तो अब हम सोच रहे थे, अगर हम पहली बार पढ़ रहे हैं, तो शाऊल इस सब पर कैसे प्रतिक्रिया देगा? वह कैसे प्रतिक्रिया देगा? वह डेविड को मारने पर उतारू हो गया है। तो, डेविड के बचाव का पहला हिस्सा डेविड के अपने शब्द, डेविड के कार्य हैं।

इस सब में डेविड स्पष्ट रूप से निर्दोष है। वह स्पष्ट रूप से शाऊल के प्रति वफादार है, और वह न्याय के लिए प्रभु पर भरोसा कर रहा है। वह इसे अपने हाथ में नहीं ले रहा है।

वह निर्दोष है। खैर, देखो शाऊल क्या कहता है। क्या यह तुम्हारी आवाज़ है, डेविड, मेरे बेटे? यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वह उसे जेसी का पुत्र कह रहा है।

वह उसे संदर्भित करने का अपमानजनक तरीका है। लेकिन अब, क्या वह आपकी आवाज़ है, डेविड? वह उसे नाम से बुलाता है, मेरा बेटा। और डेविड ने एक पिता के रूप में उनसे अपील की।

और वह जोर-जोर से रोने लगा। इसलिए, दाऊद के कार्यों और शब्दों का शाऊल पर प्रभाव पड़ा। और यह एक्ज़िबिट ए में एक महत्वपूर्ण कथन है, डेविड के लिए माफ़ी।

उसने कहा, तुम मुझसे भी अधिक धर्मी हो। तुमने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया है, परन्तु मैंने तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार किया है। यह शाऊल की ओर से काफी हद तक स्वीकारोक्ति है।

यह साबित करने के लिए कि डेविड निर्दोष है और शाऊल दोषी है, आपको वास्तव में यही सब कुछ चाहिए। आपको कहानी में और भी बहुत कुछ मिलता है, लेकिन यह मौलिक है। आपने अभी-अभी मुझे बताया कि आपने मेरे साथ क्या अच्छा किया।

यहोवा ने मुझे तेरे हाथ में कर दिया, परन्तु तू ने मुझे न मारा। इसलिए, शाऊल को प्रभु का एहसास हुआ और उसकी कृपा ने मुझे दाऊद के पास सौंप दिया। जब किसी मनुष्य को अपना शत्रु मिल जाता है, तो क्या वह उसे बिना कुछ हानि पहुँचाये जाने देता है? स्पष्ट: नहीं।

शाऊल का प्रश्न हमें इस निष्कर्ष पर ले जाता है कि दाऊद वास्तव में उसका शत्रु नहीं होना चाहिए। क्योंकि यदि दाऊद शाऊल को इस दृष्टि से देखता, तो वह उसे दूर जाने न देता। आज तुमने मेरे साथ जो व्यवहार किया, उसके लिए प्रभु तुम्हें अच्छा प्रतिफल दे।

मैं जानता हूँ कि यह महत्वपूर्ण है, कि तू निश्चय राजा होगा, और इस्राएल का राज्य तेरे हाथ में स्थापित होगा। इसलिए, शाऊल स्वीकार करता है कि आपने आज मेरे साथ जो व्यवहार किया है, उसके लिए आप प्रभु के पुरस्कार के पात्र हैं। और मैं जानता हूँ कि आप अगले राजा बनने जा रहे हैं।

मैं गहराई से जानता हूँ कि ऐसा ही होने वाला है। तुम्हारे हाथ में राज्य स्थापित होने वाला है। मुझ से यहोवा की शपथ खा, कि तू मेरे वंश को नाश न करेगा, और न मेरे पिता के कुल में से मेरा नाम मिटा देगा।

और वैसे, बाद में दाऊद ने शाऊल को दी गई इस शपथ को निभाने की पूरी कोशिश की। 2 सैमुअल 21 में कुछ जटिल परिस्थितियाँ सामने आती हैं। हम अंततः वहाँ पहुँचेंगे।

लेकिन डेविड इस संबंध में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। अतः दाऊद ने शाऊल को अपनी शपथ दी। तब शाऊल तो घर लौट आया, परन्तु दाऊद और उसके जन गढ़ पर चढ़ गए।

यह दिलचस्प है कि भले ही यहाँ एक तरह का मेल-मिलाप हो गया है, डेविड शाऊल के साथ नहीं घूमता है। इसलिए, अध्याय 24 में, फिर से डेविड ने शाऊल की जान बख्श दी और मुझे लगता है कि हम मुख्य विषय को संक्षेप में प्रस्तुत कर सकते हैं क्योंकि जब प्रभु अपने चुने हुए सेवकों को न्याय के लिए उसकी ओर देखते हैं तो वे उन्हें सही ठहराते हैं। डेविड ने यही किया और शाऊल के कबूलनामे में पुष्टि का एक रूप है।

मुख्य विषय को थोड़ा और स्पष्ट करने के लिए, यहां कुछ प्रमुख सिद्धांत हैं जिन्हें मैं इस अनुच्छेद का प्रचार और शिक्षण करते समय विकसित करूंगा। जब भगवान के वादे की पूर्ति में देरी हो रही है, और निश्चित रूप से डेविड के लिए इसमें देरी हुई है, तो भगवान के चुने हुए सेवकों को इस मुद्दे को मजबूर करने के प्रलोभन का विरोध करना चाहिए और इसके बजाय जो सही है वह करना चाहिए और भगवान के समय का इंतजार करना चाहिए। मुद्दे को तूल न दें।

हमेशा वही करने के लिए प्रतिबद्ध रहें जो सही है और वादा पूरा होने के लिए भगवान के समय का इंतजार करें। डेविड ने यही किया। और उत्पीड़न सहते समय, जब कोई ईश्वर के वादे के पूरा होने की प्रतीक्षा करता है, तो उसे प्रतिशोध के लिए ईश्वर की ओर देखना चाहिए।

और वे प्राथमिक पाठ हैं जो हम इस विशेष अध्याय में देखते हैं। मैं अब अध्याय 25 पर जाना चाहूँगा। मैं इसे डेविड कहता हूँ जो ज्ञान की आवाज सुनता है।

बुद्धि की वाणी एक स्त्री के रूप में दाऊद के पास आने वाली है। यह दिलचस्प है कि नीतिवचनों में हमें महिला ज्ञान मिलता है। बुद्धि को एक ऐसी महिला के रूप में चित्रित किया गया है जो महिला मूर्खता के विपरीत अच्छे बुद्धिमान शब्दों के साथ बोलती है।

लेकिन डेविड इस अध्याय में ज्ञान की आवाज सुनने जा रहा है और वह उस ज्ञान को अपनाने जा रहा है जो भगवान अबीगैल के माध्यम से प्रदान करता है। और इसलिए एक बार फिर हम डेविड को इस अध्याय में बहुत सकारात्मक रोशनी में देखते हैं, लेकिन कुछ तनाव विकसित होता है। अध्याय 25 श्लोक 1 इस बात से शुरू होता है कि शमूएल की मृत्यु हो गई।

हमने हाल के अध्यायों में सैमुअल को बहुत अधिक नहीं देखा है, लेकिन वह अभी भी वहाँ था और अब उसकी मृत्यु हो गई है। और सारे इस्राएल ने इकट्ठे होकर उसके लिये विलाप किया, और उसे रामा में उसके घर में मिट्टी दी। और तब दाऊद पारान के जंगल में चला गया।

तो, हमें पूछना होगा कि हमें यहाँ ऐसा क्यों बताया जा रहा है? फोकस शाऊल और डेविड पर है और हां, सैमुअल एक प्रमुख पात्र है, लेकिन यहां इसका क्या महत्व है? कुछ मायनों में, यह थोड़ा चिंताजनक है क्योंकि सैमुअल एक ऐसा व्यक्ति था जिसके पास डेविड हमेशा मुसीबत के समय आ सकता था, हालाँकि वह वास्तव में हाल ही में सैमुअल के करीब नहीं रहा है। तो, हम सोच रहे हैं, खैर, डेविड के सबसे महान सहयोगियों में से एक चला गया है। लेकिन मुझे लगता है कि इसमें इससे भी अधिक कुछ है।

सैमुअल की किताबों में सैमुअल पहला प्रमुख पात्र है। और फिर शाऊल वह स्थान लेता है, जिसकी शुरुआत मैं 1 सैमुअल अध्याय 9 से करता हूँ जहां उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में चिह्नित किया गया है जो राजा बनने जा रहा है और शाऊल एक प्रमुख चरित्र बन जाता है, अगर हम प्रमुख पात्रों के संदर्भ में सोच रहे हैं। 1 शमूएल 17 में डेविड, जब डेविड आता है, तो याद रखें कि हमने अध्याय 17 में डेविड के औपचारिक परिचय के बारे में बात की थी।

तो, सैमुअल, शाऊल, डेविड। सैमुअल, मुख्य पात्र नंबर एक, अब दृश्य से चला गया है। वह मर गया है।

खैर, हमारे पास मुख्य पात्र दो, शाऊल, और मुख्य पात्र तीन, डेविड हैं। आगे क्या होने वाला है? मुझे लगता है कि यह लेखक का संकेत हो सकता है। मुख्य पात्र घटनास्थल से चला गया है।

मुख्य पात्र दो के बारे में है। अध्याय 28 में, शाऊल युद्ध की पूर्व संध्या पर रात में सैमुअल से मिलने जा रहा है और सैमुअल कब्र से उसे बताने जा रहा है। सैमुअल मर चुका है, लेकिन वह कब्र से उसे बताने जा रहा है।

जब डायन सैमुएल की आत्मा को जगाती है, तो तुम कल मरने वाले हो। और फिर पाठ हमें यह बताएगा कि शाऊल युद्ध में कैसे मरता है। तो, इस बिंदु पर यह थोड़ा पूर्वाभास हो सकता है।

फिर हमने पढ़ा कि माओन में एक आदमी है जिसके पास कार्मेल में संपत्ति है और वह बहुत अमीर है। उसके पास बहुत सारे पशुधन हैं और उसके पास एक हजार बकरियां, तीन हजार भेड़ें हैं, और कार्मेल में ऊन काटने का काम चल रहा है जहां वे जानवरों के कोट काट रहे हैं। उसका नाम नाबाल या नाबाल है।

यदि आप अपनी हिब्रू जानते हैं, तो आप जानते हैं कि नाबाल मूर्ख के लिए एक शब्द है। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि किसी आदमी की माँ उसे मूर्ख कहेगी। और इसलिए, मुझे लगता है कि शायद उसका नाम, किसी भाषा में कभी-कभी समानार्थी शब्द होते हैं।

हम यह सिद्ध कर सकते हैं कि उसका नाम एडेएट या ऐसा ही कुछ था। एक उपनाम नाबाल है जिसका संभवतः यही अर्थ है। तो, संभवतः इसका सकारात्मक अर्थ था।

लेकिन एक और शब्द है जो सुनने में वही लगता है जिसका अर्थ है मूर्ख, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जब उसका नाम रखा गया तो उसकी मां का यही इरादा था। लेकिन यह उसका नाम है और यह चलन में आने वाला है। दूसरा शब्द नाबाल, जिसका अर्थ है मूर्ख, कहानी में आने वाला है।

उसकी पत्नी का नाम अबीगैल था। वह एक बुद्धिमान महिला, बुद्धिमान महिला और सुंदर थी। परन्तु उसका पति अपनी भावनाओं में धूर्त और मतलबी था।

वह एक कालेबाइट था। तो, हमारे पास यह बेमेल है। हमारे पास नाबाल है जो धूर्त और दुष्ट है और उसकी शादी अबीगैल से हुई है जो बुद्धिमान, बुद्धिमान और सुंदर है।

दाऊद जंगल में है और उसने सुना कि नाबाल भेड़ों का ऊन कतर रहा था। तब उस ने दस जवानोंको यह कहकर भेजा, कि कर्मेल में नाबाल के पास जाओ, और मेरे नाम से उसका स्वागत करो। उससे कहो, तुम्हें दीर्घायु हो, तुम्हें और तुम्हारे परिवार को अच्छा स्वास्थ्य हो, और जो कुछ तुम्हारा है वह अच्छा स्वास्थ्य हो।

अब, मैंने सुना है कि यह भेड़ कतरने का समय है। जब तुम्हारे चरवाहे हमारे साथ थे, तब हमने उनके साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया। और पूरे समय जब वे कर्मेल में थे, उनकी कोई भी चीज़ गायब नहीं थी।

अपने सेवकों से पूछो और वे तुम्हें बता देंगे। इसलिये, चूँकि हम उत्सव के समय आते हैं, इसलिये मेरे जनों के प्रति कृपालु रहो। अब, हर कोई जश्न मना रहा है।

यह भेड़ कतरना है। आप उदार क्यों नहीं बनते? कृपया अपने सेवकों और अपने पुत्र दाऊद को जो कुछ तुम उनके लिये पा सको दे दो। अतः दाऊद नाबाल से अपील कर रहा है और वह कह रहा है, कदाचित उत्सव के इस समय में तू हमारे प्रति कुछ उदारता दिखा सके।

जब हम शाऊल द्वारा पीछा किए जा रहे जंगल में घूम रहे होते हैं, तो हम गुजारा करने की कोशिश करते हैं। मेरा मतलब है, मैंने निश्चित रूप से इसके बारे में सुना होगा। इसलिए, आप हमें जो कुछ भी दे सकते हैं, हम उसकी सराहना करेंगे।

और मुझे लगता है कि यहां यह निहित है कि हम किसी चीज़ के योग्य हैं क्योंकि हम अपनी यात्राओं में आपके चरवाहों से मिले। और अगर हम चाहते तो हम एक डाकू गिरोह की तरह हो सकते थे और हम अंदर आकर आपके पशुधन चुरा सकते थे। लेकिन हम ऐसे नहीं हैं।

और मूलतः, हमने आपके चरवाहों के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया। वास्तव में, हमने उनकी रक्षा की। यहां कुछ लोगों ने डेविड पर माफिया जैसा कुछ प्रोटेक्शन रैकेट चलाने का आरोप लगाया है।

अच्छा, अरे, कृपया हमें सुरक्षा के लिए भुगतान करें। किससे सुरक्षा? हम। मुझे नहीं लगता कि डेविड यही कर रहा है।



मुझे लगता है कि इस समय जंगल में संभवतः बहुत सारे अलग-अलग लोग थे और कुछ लोग अराजक थे। और डेविड ने जो किया है, मुझे लगता है कि उसे शायद नाबाल के साथ अच्छे संबंध बनाने का एक अवसर मिला है। और इसलिए, उन्होंने फैसला किया, हम इस आदमी को डाकूओं से बचाएंगे।

और हम बस यह करने जा रहे हैं और फिर हम अपील करेंगे। वे पहले आकर कोई अनुबंध नहीं ले लेते। ऐसा लगता है जैसे वे ऐसा करते हैं और फिर उनके पास आकर उम्मीद कर रहे हैं कि उन्होंने जो किया है उसके लिए वह उनकी सराहना करेंगे।

जब दाऊद के आदमी आये, तो उन्होंने नाबाल को दाऊद के नाम से यह सन्देश, पद 9, दिया। फिर उन्होंने इंतजार किया। अब स्मरण रखो, नाबाल धूर्त और दुष्ट है।

और ऐसा भी प्रतीत होगा कि वह शाऊल समर्थक व्यक्ति है। नाबाल ने दाऊद के सेवकों को उत्तर दिया, यह दाऊद कौन है? यिशै का यह पुत्र कौन है? यह शाऊल द्वारा उसे संदर्भित करने के तरीके की याद दिलाता है। आजकल बहुत से नौकर अपने मालिकों से नाता तोड़ रहे हैं।

दूसरे शब्दों में, आप महज़ एक विद्रोही सेवक हैं। डेविड सिर्फ एक विद्रोही नौकर है। वह अपने स्वामी शाऊल से अलग हो गया है।

मैं अपनी रोटी, पानी और अपना वध किया हुआ माँस अपनी कैंची में लेकर क्यों न जाने कहाँ से आने वाले मनुष्यों को ढूँं? ये बहुत अपमानजनक है। और आप सोच सकते हैं, ठीक है, वह नहीं जानता होगा कि डेविड कौन था। नहीं, ये सच नहीं है।

अबीगैल, उसकी पत्नी, डेविड के बारे में सब जानती है। जैसा कि हम देखेंगे कि जब वह डेविड का थोड़ा सा सामना करती है, तो वह जानती है कि डेविड कौन है। वह दाऊद को ऐसे व्यक्ति के रूप में जानती है जिसने प्रभु की लड़ाई लड़ी है और प्रभु के लोगों को बचाया है।

और इसलिए, वह समझती है कि डेविड कौन है, और उसे भी समझना चाहिए। और उसके मन में इस बात के लिए कोई सराहना नहीं है कि प्रभु के चुने हुए भावी राजा के रूप में दाऊद कौन है, और उसके पास इस बात के लिए कोई सराहना नहीं है कि दाऊद ने इस्राएल के लिए क्या किया है। वह कृतघ्न है।

पद 12, दाऊद के आदमी घूम गए और वापस चले गए। और जब वे पहुंचे, तो उन्होंने प्रत्येक शब्द की सूचना दी। हर शब्द।

दाऊद ने अपने जनों से कहा, तुम में से हर एक अपनी अपनी तलवार बान्ध ले। उह ओह। तो, उन्होंने ऐसा किया।

और डेविड ने भी अपनी कमर कस ली। दाऊद के साथ लगभग 400 व्यक्ति गये। 200 आपूर्ति के साथ रहे।

तो ऐसा लग रहा है कि डेविड काफी परेशान हैं। वह इस तरह के अपमान के व्यवहार की सराहना नहीं करता है, और वह हमला करने के लिए तैयार है। खैर, नौकरों में से एक ने नवल की पत्नी अबीगैल को बताया, कि डेविड ने हमारे स्वामी को नमस्कार करने के लिए जंगल से दूत भेजे, लेकिन उन्होंने उनका अपमान किया।

फिर भी ये लोग, और अब हमें इस बारे में कुछ और पता चलता है कि क्या हुआ है। ये लोग हमारे लिए बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमारे साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया।

और पूरे समय जब हम उनके पास के खेतों में थे, कुछ भी गायब नहीं था। उन्होंने हमसे कभी कुछ नहीं चुराया। वहाँ जितने भी पशु थे, वे आसानी से कुछ चुरा सकते थे।

जब ये लोग आसपास होते थे तो कभी कोई चीज़ गायब नहीं होती थी। रात और दिन, वे हमारे चारों ओर एक दीवार थे। पूरे समय, हम अपनी भेड़ें चरा रहे थे।

अब इस पर विचार करो, और देखो कि तुम क्या कर सकते हो, क्योंकि हमारे स्वामी और उसके सारे घराने पर विपत्ति मंडरा रही है। वह इतना दुष्ट आदमी है कि कोई उससे बात नहीं कर सकता। अगर हम जाकर उसे समझाने की कोशिश करें कि उसने क्या मूर्खता की है, तो वह हमारी बात भी नहीं मानेगा।

तुम्हें कुछ करने की ज़रूरत है, अबीगैल। और इसलिए, हमें पता चलता है कि डेविड ने क्या किया। हाँ, उसने नाबाल के आदमियों की रक्षा की।

और मेरा मानना है कि इसकी वैध आवश्यकता थी, क्योंकि उस समय, इस स्थान पर, ऐसे लोग रहे होंगे जो नाबाल से चोरी करना चाहते होंगे। दाऊद और उसके आदमी उनके चारों ओर दीवार थे। और नौकरों के बात करने के तरीके से आपको यह आभास होता है कि उन्हें लगा कि उन्हें इस तरह की सुरक्षा की आवश्यकता है।

और उन्होंने डेविड और उसके लोगों को बहुत सकारात्मक दृष्टि से देखा। अगर वे सिर्फ सुरक्षा रैकेट चला रहे होते तो मुझे नहीं लगता कि वे इस तरह से बात करते। इसलिए, अबीगैल को शीघ्रता से कार्य करने की आवश्यकता है।

और इसलिए, ध्यान दें कि वह क्या करती है। वह 200 रोटियाँ, 2 कुप्पी दाखमधु, 5 सजी हुई भेड़ें, 5 भुने हुए अन्न की छलनी, 100 किशमिश की टिकियां, 200 टिकियां निकाले हुए अंजीर की लेती है, और उन्हें गधों पर लादती है। और फिर वह अपने नौकरों से कहती है, आगे बढ़ो, मैं तुम्हारे पीछे चलूंगी।

परन्तु वह इस समय नाबाल से कुछ नहीं कहती। और वह अपने गधे पर सवार होकर पहाड़ी घाटी में आती है, और वहाँ दाऊद है। और दाऊद अपने जनोंसमेत उसकी ओर उतरा, और वह उससे और उन से मिली।

और डेविड ने अभी कहा था, यह बेकार हो गया है। मैं जंगल में उस पुरूष की सम्पत्ति पर पूरा ध्यान रखता हूँ, कि उसकी कोई वस्तु खो न जाए, और उस ने भलाई के बदले बुराई से मुझ से बदला लिया है। दूसरे शब्दों में, हमने जो किया उसके लिए हम कुछ पाने के पात्र हैं।

इसके बजाय, हमें बस ढेर सारा अपमान मिलता है और हम खाली लौट आते हैं। और वह कहता है, और तब दाऊद ने अपने ऊपर श्राप सुनाया। यदि मैं बिहान तक दाऊद के सब लोगों में से एक पुरूष को भी जीवित छोड़ दूँ, तो परमेश्वर दाऊद से चाहे जितनी कठोरता से व्यवहार करे।

अब, हम समझ सकते हैं कि डेविड क्यों परेशान है। साथ ही मैं इसे लेकर थोड़ा असहज भी महसूस कर रहा हूँ। दाऊद नाबाल और अन्य निर्दोष लोगों की हत्या करने के लिए तैयार है।

यह एक बहुत बड़ी गलती होगी। लेकिन अबीगैल, याद रखें, बुद्धिमान, बुद्धिमान, ने डेविड को देखा। वह तुरन्त अपने गधे से उतरी और भूमि पर मुंह करके दाऊद के सामने झुक गई।

इसलिए, वह डेविड को उस तरह का सम्मान दिखाती है जो नाबाल को होना चाहिए। और वह उसके पांवों पर गिरकर कहने लगी, हे मेरे प्रभु, अपने दास को क्षमा कर। हे मेरे स्वामी, ध्यान दे।

और मुझे आपसे बात करने दीजिये. सुनो तुम्हारा सेवक क्या कहता है। इसलिए वह उसे सम्मान दिखाने के लिए अपने रास्ते से हट रही है।

हे प्रभु, कृपया उस दुष्ट नाबाल पर ध्यान न दें। वह बिल्कुल अपने नाम की तरह है. अब फिर, उसके नाम का मतलब शायद कुछ और था, एक समानार्थी शब्द।

लेकिन वह जो कर रही है, वह समानार्थी शब्दों का इस्तेमाल कर रही है और कह रही है, उसके नाम का मतलब मूर्ख है। और मूर्खता उसके साथ चली जाती है। उसका नाम अच्छा है.

हो सकता है कि उनका इरादा इस नाम का कुछ और मतलब निकालने का हो, लेकिन उनके मामले में इसका असल मतलब मूर्खतापूर्ण है। उसका नाम अच्छा है. मूर्खता उसके साथ चलती है.

और जहां तक मुझे तेरे दास की बात है, मैं ने अपने प्रभु के भेजे हुए पुरूषोंको न देखा। मैंने कभी आपके आदमियों को आते नहीं देखा। मुझे इस बारे में कुछ भी पता नहीं था.

और अब, हे मेरे प्रभु, तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवित रहने की शपथ और तेरे जीवित रहने की शपथ, क्योंकि यहोवा ने तुझे रक्तपात से और अपने हाथों से अपना पलटा लेने से रोका है, तेरे शत्रुओं और उन सब के समान हो जो मेरे प्रभु को हानि पहुंचाना चाहते हैं नाबाल. वह यहां कुछ चीजें मान रही है। वह कह रही है, तुम जानते हो, प्रभु ने तुम को रक्तपात से बचाया है।

डेविड खून बहाने जा रहा है, लेकिन वह मूल रूप से उससे कह रही है, उसकी इच्छा से, मैंने तुम्हें रोक लिया है। और प्रभु ने तुम्हें रक्तपात से और अपना बदला लेने से रोक रखा है। और मैं जानता हूँ कि आप इस पर अमल नहीं करेंगे।

ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ यही निहित है। यह भेंट, जो तेरा दास मेरे प्रभु के लिये लाया है, उन पुरूषों को दे दे जो तेरे पीछे हो लेते हैं। तो, वहाँ सभी अंजीर और सभी चीजें हैं जो उसने एकत्र की थीं, और वह मूल रूप से वही कर रही है जो डेविड नाबाल से कराना चाहता था, और वह अनिवार्य रूप से कह रही है, हम आपका सम्मान करते हैं और आपने हमारे लिए जो किया है उसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं।

और यहाँ हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। कृपया अपने सेवक की गुस्ताखी को क्षमा करें। तेरा परमेश्वर यहोवा निश्चय मेरे प्रभु के लिये एक चिरस्थायी वंश बनाएगा।

देखिये, यह यहाँ स्पष्ट है। अभीगैल जानती है कि डेविड कौन है। वह उसके बारे में सब कुछ जानती है, और नाबाल को भी जानना चाहिए।

मुझे यह मानना होगा कि इस समय नाबाल शाऊल के पक्ष में है। हम निश्चित रूप से अपने प्रभु के लिए एक स्थायी राजवंश बनाएंगे, क्योंकि आप प्रभु की लड़ाई लड़ते हैं, और जब तक आप जीवित रहेंगे, आप में कोई गलत काम नहीं पाया जाएगा। यद्यपि कोई तुम्हारा प्राण लेने के लिये तुम्हारा पीछा कर रहा है, तौभी मेरे प्रभु का प्राण तुम्हारे परमेश्वर यहोवा के द्वारा जीवितों की गठरी में सुरक्षित रूप से बंधा रहेगा।

परन्तु वह तेरे शत्रुओं का प्राण मानो गोफन की जेब से निकाल देगा। तो, प्रभु आपकी रक्षा कर रहे हैं। वह तुम्हारे शत्रुओं को परास्त करेगा।

वह तुम्हारी रक्षा करेगा. और जब यहोवा ने मेरे प्रभु के लिये सब अच्छे काम पूरे किए, जो उसने उसके विषय में कहा था, और उसे इस्राएल पर प्रधान ठहराया, तो वही तेरा भाग्य है। मैं यह जानता हूँ।

मेरे स्वामी की अंतरात्मा पर अनावश्यक रक्तपात, या स्वयं का बदला लेने का भारी बोझ नहीं होगा। और जब तेरा परमेश्वर यहोवा मेरे प्रभु को सुफल करे, तब अपने दास को स्मरण करना। देखिए, यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा अध्याय 24 में हो रहा है।

अध्याय 24 में, दाऊद ने शाऊल के विरुद्ध हाथ नहीं उठाया क्योंकि शाऊल प्रभु का अभिषिक्त था। उन्होंने उचित तरीके से प्रतिशोध की बात कही। यह सब प्रभु के हाथ में है, और उसने प्रभु से अपील की।

इस अध्याय में इतना कुछ नहीं है, जब वह नवल से नाराज हो। नवल भगवान का अभिषिक्त या ऐसा कुछ नहीं है। लेकिन फिर भी, उसके नौकर, उसके आदमी निर्दोष हैं।

और इसलिए, डेविड प्रतिशोध के मुद्दे से जूझ रहा है। उसने अध्याय 24 में ठीक से उत्तर दिया। यहाँ अध्याय 25 में, वह इससे जूझ रहा है।

वह प्रतिशोध चाहता है। वह व्यक्तिगत रूप से आहत हुआ है, लेकिन अबीगैल, बुद्धिमान अबीगैल, ज्ञान की आवाज़, यह लगभग ऐसा है जैसे महिला ज्ञान नीतिवचन के पत्रों से बाहर निकल गया है और अबीगैल के माध्यम से डेविड के सामने प्रकट हुआ है। डेविड कैसे प्रतिक्रिया देगा? उसने मूल रूप से उससे कहा था, भगवान और उसकी कृपा ने तुम्हें कुछ ऐसा करने से रोक दिया है जिसका तुम्हें वास्तव में पछतावा होगा।

इससे प्रभु के सेवक के रूप में आपकी स्थिति भी खतरे में पड़ सकती है। और दाऊद ने अबीगैल से कहा, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति करो, जिस ने आज मुझ से भेंट करने के लिथे तुझे भेजा है। डेविड समझता है कि, हाँ, वह परमेश्वर की ओर से है।

आपके अच्छे फैसले के लिए और आज मुझे रक्तपात से बचाने के लिए और अपने हाथों से अपना बदला लेने के लिए आपको आशीर्वाद दिया जाए। नहीं तो इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के जीवन की शपथ, जिस ने मुझे तुम्हारी हानि करने से रोका है, यदि तुम मुझ से भेंट करने को शीघ्र न आते, तो भोर तक नाबाल के वंश का एक भी पुरुष जीवित न बचता। अतः दाऊद समझ गया कि प्रभु ने उसकी सहायता की है।

अब पहले डेविड ने एक शपथ ली थी। यदि मैं नाबाल के सभी लोगों को न मार डालूँ तो प्रभु मेरे साथ ऐसा ही करें। तो, आप सोच रहे होंगे कि क्या उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा? मुझे ऐसा नहीं लगता।

मुझे नहीं लगता कि जब लोग मूर्खतापूर्ण प्रतिज्ञाएँ करते हैं तो प्रभु उनसे यह अपेक्षा करते हैं कि वे उन्हें पूरा करके मामलों को जटिल बना दें। मुझे लगता है कि यह बेहतर है, ऐसा कहें तो आज्ञाकारिता बलिदान से बेहतर है। केवल इसलिए कि यह एक प्रतिज्ञा है, किसी मूर्खतापूर्ण प्रतिज्ञा को पूरा करने से आज्ञाकारिता बेहतर है।

यह जेफथाह को समझाता है। यिप्तह को कभी भी अपनी प्रतिज्ञा का पालन नहीं करना चाहिए था। मुझे नहीं लगता कि भगवान ने उसे सज़ा दी, क्योंकि अगर उसने उस पर अमल नहीं किया होता तो उसे सज़ा मिल जाती।

प्रभु मानव बलि नहीं चाहते थे। उसने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने पर जोर देकर चीजों को और जटिल बना दिया। तो, मुझे लगता है कि डेविड यहाँ मुश्किल में है।

मुझे लगता है कि वह सही काम करता है। तब दाऊद ने जो कुछ वह उसके लिये लाई थी उसे उसके हाथ से ग्रहण किया, और कहा, कुशल से अपने घर जाओ। मैंने आपकी बातें सुनीं और आपका अनुरोध स्वीकार कर लिया।

तो, सब ठीक है। अबीगैल घर जाती है, और नाबाल राजा की भाँति भोज कर रहा है। वह बहुत जोश में है।

वह नशे में है। और इसलिए, वह इस समय उसे कुछ नहीं बताती। यदि आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से बात करने की कोशिश की है जो नशे में है, तो आप बहुत आगे नहीं बढ़ पाते।

उनके साथ तर्क करना कठिन है. कभी-कभी तो वे क्रोधित हो जाते हैं। तो वह बस इंतज़ार करती है.

फिर बिहान को जब नाबाल सचेत हुआ, तब उसकी पत्नी ने उसको ये सब बातें बतायीं। क्या तुम्हें एहसास है कि तुम्हारा लगभग वध हो चुका है? मैंने आपको बचाया। और उसका हृदय विफल हो गया।

और वह पत्थर जैसा हो गया। जाहिर है, उन्हें दौरा पड़ा था. और एक तरह से बेहोश हो गया।

और लगभग दस दिन के बाद यहोवा ने नाबाल को मारा, और वह मर गया। तो, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भगवान ही वह है जो नाबाल को खेल के मैदान से बाहर ले जाता है। दाऊद ने सुना कि नाबाल मर गया है।

और उसका रवैया ऐसा नहीं है, हे बेचारा नाबाल। वह कहता है, यहोवा की स्तुति करो, जिस ने नाबाल के विरुद्ध मेरा मुकद्दमा लड़वाया है। देखिए, अबीगैल की मदद से उसने सबक सीख लिया है।

यह उन्होंने स्वयं अध्याय 24 में व्यक्त किया है। अध्याय 24 में, वे कहते हैं, मैं अपना उचित कारण प्रभु को दे रहा हूँ। मुझे उस पर भरोसा है कि वह मुझे दोषी ठहराएगा।

और वह अब अध्याय 25 में देखता है, उसे मामलों को अपने हाथों में नहीं लेना था। अबीगैल ने परमेश्वर की कृपा से उसे रोक लिया। और उसे एहसास होता है कि प्रभु ही वह है जो आपको दोषी ठहराता है।

और यहोवा ने मेरा अनादर करने के कारण नाबाल के विरुद्ध मेरा मुकद्दमा कायम रखा है। और उस ने आपके दास को कुकर्म करने से रोक रखा है। और नाबाल के अधर्म को उसी के सिर पर डाल दिया है।

डेविड इस सब में न्याय देखता है। और वह समझता है कि प्रभु ने उसकी रक्षा की है। डेविड फिर अबीगैल को संदेश भेजता है।

और उससे अपनी पत्नी बनने के लिए कहता है। और उसके कर्मचारियों ने कर्मेल को जाकर अबीगैल से कहा, दाऊद चाहता है, कि तू उसकी पत्नी हो। और वह ऐसा करके बहुत खुश है।

वह स्वीकार कर लेती है और वह डेविड की पत्नी बन जाती है। पद 43 में हमें बताया गया है कि दाऊद ने यिज़्रेल की अहीनोअम से भी विवाह किया था। और वे दोनों उसकी पत्नियाँ थीं।

तो, डेविड की अब दो पत्नियाँ हैं। खैर, माइकल के बारे में क्या? जब डेविड को भागना पड़ा. खैर, शाऊल ने उसे किसी और को दे दिया है।

वह बाद में कहानी में फिर से दिखाई देने वाली है। लेकिन इस समय उसकी वास्तव में कोई गिनती नहीं है। तो, हम इसके साथ क्या करें? आप इसे सकारात्मक रूप में देख सकते हैं।

दाऊद को, मानो, बुद्धि की आवाज से बचाया गया है। और अब वह बुद्धिमान महिला से शादी करता है। वह उसे गले लगाता है।

वह चाहता है कि यह बुद्धिमान महिला उसके आसपास रहे। इसलिए, वह उसकी ओर आकर्षित है। वह ज्ञान की आवाज को गले लगाता है।

और वह इस बुद्धिमान महिला अभीगैल से शादी करता है। तो, आप इसे सकारात्मक दृष्टि से देख सकते हैं। साथ ही, डेविड के इर्द-गिर्द हमेशा अस्पष्टता घूमती रहती है।

वहीं, क्या दूसरी पत्नी जोड़ना अच्छी बात है? और हम इसके बारे में और बात करेंगे। क्योंकि जैसे-जैसे कहानी सामने आती है, और हम 2 सैमुअल में पहुँचते हैं, हमारे पास हरम रिपोर्ट कहलाती है। जहां हमने डेविड की पत्नियों की लगातार बढ़ती संख्या के बारे में पढ़ा।

इसलिए, हम अगले पाठ में उस विषय पर अधिक विस्तार से चर्चा करेंगे। हम अभी यहीं रुकेंगे। हमारा अगला पाठ 1 शमूएल अध्याय 26 होगा। दिलचस्प बात यह है कि शाऊल दाऊद के बाद फिर आने वाला है। और डेविड का उसके साथ एक और मुकाबला होने वाला है।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 14, 1 सैमुअल 24-25 है। डेविड स्पेर्स शाऊल का जीवन, अध्याय 24, और डेविड बुद्धि की आवाज सुनता है, 1 सैमुअल अध्याय 25।